महर्षि दयानन्द सरस्वती

ओ३म्

।।वेदोऽखिलो धर्ममूलम्।।

(वेद समस्त धर्मों का मूल है)

श्री आनन्द पुरुषार्थी जी

के तत्त्वावधान में

पूज्यपाद आचार्य

श्री आनन्द पुरुषार्थी जी

वैदिक प्रवक्ता होशंगाबाद (म.प्र.)

के पावन सान्निध्य में

वेद कथा की अमृतवर्षा

और पं.दिनेश दत्त भजनोपदेशक, नई दिल्ली मधुर भजन होंगे

कार्यक्रम

दिनांक: 6 अगस्त 6 सितम्बर 2013

स्थान:

आर्यसमाज मंदिर (यजमानों की उपस्थिति में) होंगे

समय:

प्रात: 9:30 से 10:30 बजे तक यज्ञ (मार्मिक व्याख्या सहित) व भजनोपदेश।

सायं: 7 से 9 बजे तक भजनोपदेश व ओजस्वी व्याख्यान।

नोट: पेठ, गर्दन, कमर, जोड़ों के दर्द, मोटापा, दुबलापन, सर्दी, खाँसी, दमा, चश्मा छुड़ाना, मुहाँसे, चर्म रोग, ब्लड प्रेशर, डाईबिटीज़, एसिडिटी, एलर्जी, बवासीर, बालों का झड़ना, सफेद होना, शराब, गाँजा, भाँग आदि नशा छुड़वाने, विभिन्न शारीरिक एवं मानसिक समस्याओं के समाधान हेतु पूज्य आचार्य श्री आनन्द पुरुषार्थी जी से संपर्क करें।

इनके द्वारा : स्व. तानाबाई एवं मारुतीराव अष्टिकर के स्मरणार्थ समर्पित,
सुभाष अष्टिकर, मन्त्री सभा